3F5 **E3**

D.El.Ed. Examination
JANUARY, 2023
MODEL ANSWER AND SCHEME OF MARKING
First Year (2016 Revised Syllabus)
PEDAGOGY OF LANGUAGE (I & III Language)
HINDI
Time : 11.00 to 1.00 Hrs.
Date : 14/01/2023 **(8 Pages)** **Max. Marks : 40**

1. (अ) प्रत्येक का एक वाक्य में उत्तर लिखिये : 4

(1) किसी देश या प्रदेश की वह भाषा जिसमें प्रशासन का कामकाज होता है, उसे राजभाषा कहते हैं। 1

(2) श्रवण से। 1

(3) विनोबा भावे जी। 1

(4) जिन शब्दों के रूप में परिवर्तन या विकार होता है उसे विकारी शब्द कहते हैं। 1

(ब) सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2

(1) प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए : 1

(*i*) भक्तिमय या भक्तिवान ½

(*ii*) सुंदरता ½

(2) विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए : 1

वाह! क्या दृश्य है।

(क) नीचे दिए गए गलत विधानों का आशय सही करके लिखिए : 2

(1) भाषा का विकास मनुष्य की प्रगति को दर्शाता है। 1

(2) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। 1

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए : 8

(1) विषय-संरचना की विशेषताएँ : 2

(1) हर एक विषय की स्वतंत्र संरचना

(2) अर्थपूर्ण रूप से जानकारी का वर्गीकरण।

(3) परिवर्तनशील संरचना।

(4) विषय का ज्ञान व जानकारी समाविष्ट।

(2) श्रवण प्रक्रिया के शिष्टाचार : 2

(1) श्रवण शांति से सुनें।

(2) वक्ता को बीच में न रोकें, बोलने दें।

(3) वक्ता के प्रति आदर का भाव।

(4) प्रसंग के अनुरूप चेहरे का हावभाव।

(5) वक्ता पर ध्यान दें।

(6) वक्ता के बोलने पर प्रतिसाद देना।

(कोई 4 मुद्दे, प्रत्येक को ½ अंक)

(3) **कहानी अध्यापन के उद्देश्य :** 2

(1) शुद्ध बोलने की क्षमता निर्माण करना।

(2) शब्द भंडार में वृद्धि करना।

(3) मनोरंजन और संस्कार करना।

(4) आत्मप्रकटीकरण वृत्ति का विकास।

(5) अनुकरण वृत्ति का विकास।

(6) विचारों को सिलसिलेवार कहने की क्षमता।

(इनमें से कोई 4 मुद्दे, प्रत्येक को ½ अंक)

(4) **द्वितीय भाषा हिन्दी के सामान्य उद्देश्य :** 2

(1) विचार विनिमय करने में सक्षम बनाना।

(2) साहित्य के प्रति रुचि लेना व उसमें आस्वादन करना।

(3) हिन्दी बोलना और समझना।

(4) राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 120 से 160 शब्दों में लिखिए : 12

(1) **भाषण के विविध उद्देश्य :** 3

(1) आत्माभिव्यक्ति।

(2) प्रचार।

(3) मनोरंजन।

(4) ज्ञानदान।

(5) अभिरुचि विकास।

(6) समीक्षा करना।

(इसे स्पष्ट करके उदाहरण देना है।)

अथवा

हिन्दी दिवस के लिए उपक्रम :

(1) अतिथि का भाषण

(2) नाटक

(3) गीत

(4) नृत्य

(5) कव्वाली

(6) शब्द पट्टी से सजावट

(7) साहित्यकार की छवि का प्रदर्शन

(8) अंत्याक्षरी

(9) भाषा प्रयोगशाला

(10) हिन्दी भाषा का प्रयोग करके विज्ञापन।

(2) **भाषा विकास प्रक्रिया के घटक :** 3

(1) निरीक्षण

(2) आकलन

(3) अभिव्यक्ति कौशल्य

(4) विकसन कौशल

(5) अनुकरण।

(इसे स्पष्ट करना है।)

(3) **प्रमुख विरामचिह्न :** 3

— अल्प विराम [,]

— अर्ध विराम [;]

— पूर्ण विराम [।]

— प्रश्न विराम [?]

— विस्मय विराम [!]

— अवतरण विराम [' —', "—"]

— अपूर्ण विराम [:]

— योजक चिह्न –

— निर्देशक —

— कोष्ठक [–], (–), {–}

(इसे स्पष्ट करना है।)

(4) **भाषा विकास में पाठ्यपुस्तक की आवश्यकता —** 3

(1) शिक्षक के लिए मार्गदर्शक।

(2) अपने आप में अध्यापन का प्रतिमान।

(3) ज्ञान प्राप्ति का साधन।

(4) विचार, संस्कार, नीति, भाव आदि।
पाठकों तक पहुँचाने का सशक्त साधन।

(5) मूलभूत उद्देश्य, लेखन, वाचन कौशल का विकास।

(6) पुस्तक स्वाध्याय का आधार।

(7) मौन पठन व स्वअध्ययन का साधन।

(8) शिक्षा का प्रसार व मार्गदर्शन में सहायक।

(9) मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक।

(10) छात्र तथा अध्यापक दोनों का मित्र।

अथवा

विद्यार्थियों में वाचन कौशल विकसित करने हेतु उपक्रम –

(1) वाचन स्पर्धा

(2) नाट्यवाचन स्पर्धा

(3) बालकोचित नियतकालिक तथा वृत्तपत्र का वाचन

(4) सुविचार कथन वाचन

(5) गीत सुनाना

(6) काव्य पठन

(7) सूचना पठन

(8) चित्र पठन

(9) विज्ञापन पठन।

(इसे स्पष्ट करना है)

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 250 शब्दों में लिखिए : **12**

(1) पठन दोष बताकर उपाय लिखिए : **4**

दोष : (1) उच्चारण में अस्पष्टता तथा अशुद्धता

(2) अत्यधिक गति से या मंथर गति से पठन

(3) उबा देने वाला या एक ही सुर में पठन

(4) रुक-रुक कर पढ़ना

(5) अनुचित स्थानों पर शब्दों को तोड़कर पढ़ना

(6) शब्दों को दोहराते हुए निरर्थक ध्वनियों को दोहराते हुए पढ़ना

(7) तुतलाते हुए पठन

(8) पाठ्यांश का अर्थ समझे बिना पढ़ना।

उपाय : (1) छात्र शिक्षक का अनुकरण करे।

(2) बार-बार पठन करना।

(3) उच्चारण की ओर ध्यान देकर पठन करना।

(4) विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करना।

(5) आदर्श वाचन, ध्वनिमुद्रक यंत्र की सहायता लेना।

(6) प्रकट वाचन के साथ मौन वाचन की भी आदत डालना।

(7) पूरी एकाग्रता से पठन करना।

(8) जल्दबाजी से पढते हैं तो गति कम करने का प्रयास करना।

अथवा

कक्षांतर्गत क्रियाओं का महत्व :

(1) छात्रों में नेतृत्व का विकास।

(2) वास्तविक जीवन और प्रवृत्ति का निरीक्षण करने का मौका।

(3) प्राप्त क्षमताओं का प्रत्यक्ष जीवन में प्रयोग।

(4) मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति प्रभावपूर्ण।

(5) भाषा का व्यावहारिक उपयोग।

(6) सहयोगी शिक्षा द्वारा सहकार्य की भावना।

(7) आत्मविश्वास प्रवृत्ति का विकास।

(8) निर्णय क्षमता का विकास।

(9) भावनाओं का समायोजन।

(10) संवेदनशीलता का विकास।

(2) **हिन्दी शिक्षा की प्रयुक्तियाँ :** 4

(1) ज्ञात से अज्ञात की ओर।

(2) सरल से जटिल की ओर।

(3) मूर्त से अमूर्त की ओर।

(4) आसान से कठिन की ओर।

(5) मनोवैज्ञानिकता से तार्किकता की ओर।

(6) विशेष से सामान्य की ओर।

(7) पूर्ण से अंश की ओर।

(8) विश्लेषण से संश्लेषण की ओर।

(9) अनिश्चित से निश्चित की ओर।

(10) प्रकृति का अनुकरण।

(इसे स्पष्ट करना है)

(3) **पाठ्यपुस्तक का आंतरिक भाग :** 4

(1) प्रस्तावना [प्रास्ताविक]

(2) सामग्री का चयन।

(3) उपदेशात्मक एवं मनोरंजक।

(4) विषय-सामग्री में समवाय।

(5) विषय-सामग्री में मौलिकता।

(6) विषय-सामग्री में क्रमबद्धता और परिमाणता।

(7) विषय-सामग्री एवं भाषा-शैली।

(8) व्याख्या टिप्पणी एवं स्वाध्याय।

(इसे स्पष्ट करना है)